ISSN: 2393-8048
International Conference of Education New Policy Relative to Computer
Venue: Sri Vinayak Mahavidhalya, Sri Vijaynagar, Rajasthan
23 May 2019

# भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रासंगिकता

डॉ. राजेंद्र कुमार वर्मा, सहायक आचार्य, सुरेंद्रा कॉलेज, श्री गंगानगर (राजस्थान)

## सारांश

भारतीय संविधान देश की लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का मूल आधार है। संविधान ने भारत को संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित करते हुए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता जैसे मूल्यों को लोकतांत्रिक जीवन का आधार बनाया है। बदलते सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवेश में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। वर्तमान समय में सामाजिक असमानता, राजनीतिक ध्रुवीकरण, नागरिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा सामाजिक न्याय से जुड़े प्रश्न लोकतांत्रिक व्यवस्था के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौतियाँ प्रस्तुत करते हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र भारतीय संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों तथा समकालीन भारतीय समाज में उनकी प्रासंगिकता का विश्लेषण करता है। अध्ययन विशेष रूप से मौलिक अधिकारों, राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों, सामाजिक न्याय, समानता और नागरिक स्वतंत्रता के संदर्भ में संवैधानिक मूल्यों की भूमिका को रेखांकित करता है। निष्कर्षतः, लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए संवैधानिक संस्थाओं के साथ-साथ नागरिकों में संवैधानिक चेतना और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है।

**मुख्य शब्द: भारतीय संविधान, लोकतंत्र, संवैधानिक मूल्य, मौलिक अधिकार, समानता, सामाजिक न्याय, नागरिक स्वतंत्रता**